आज 12/04/24 को राष्ट्रीय ज्ञान दान दिवस पर भूगोल विभाग के मास्टर के छात्रों और स्नातक छात्रों ने वर्किंग मॉडल बनाया है। एमए प्रोजेक्ट मॉडल का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न भू-आकृति विज्ञान परिवेशों का वस्तुतः दौरा करने और उनकी चुनौतियों के बारे में जानने का अवसर देकर बहु-विषयक क्षेत्र का अनुभव प्रदान करना है, जो उन्हें अपने गृह क्षेत्रों में नहीं मिलेगा। प्रोफेसर अनुभूति दुबे डीन छात्र कल्याण ने एमए की छात्रा गायत्री को प्रथम पुरस्कार दिया है। उन्होंने भू-आकृतिक विशेषताओं पर मॉडल बनाया और ज्वाला को दूसरा पुरस्कार मिला, जिन्होंने कार्स्ट स्थलाकृति पर मॉडल बनाया था।

भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों में हालिया प्रगति भी पृथ्वी पर जीवन को प्रभावित कर रही है। भूगोल विभाग के इस नए कदम से ज्ञात हुआ कि भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों में प्रगति आज लोगों की कैसे मदद कर रही है।बीए 5वें सेमेस्टर भूगोल के छात्रों का लक्ष्य उपग्रह चित्रों का उपयोग करके देश के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य भारत के प्राकृतिक संसाधनों की निगरानी और आपदा रोकथाम में सुधार करना भी है। वर्किंग मॉडल के माध्यम से यह प्रोजेक्ट साबित करता है कि उपग्रह रिमोट सेंसिंग पृथ्वी निगरानी उपकरण और पृथ्वी-प्रणाली विज्ञान के लिए डेटा स्रोत के रूप में विकसित हो रहा है।

डीएसडब्ल्यू ने बीए भूगोल की छात्रा प्रियांशी और टीम को प्रथम पुरस्कार दिया, जिन्होंने एरियल फोटोग्रामेट्री के विकास पर इसे बनाया और दूसरा पुरस्कार नेहा गुप्ता और टीम को मिला, जिन्होंने भूमि उपयोग में रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग पर इसे बनाया। भूगोल के छात्रों ने डॉक्टर स्वर्णिमा सिंह के मार्गदर्शन में यह अजूबा बनाया है, जो भूगोल विभाग की ओर से जमीनी स्तर से लेकर भविष्य की धरती तक ज्ञान नेटवर्क तैयार करने का आधार बन सकता है। भूगोल विभाग के प्रमुख प्रोफेसर एसके सिंह भी छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए वहां मौजूद थे और उन्होंने कहा कि यह आगे बढ़ने के लिए बड़ी प्रेरणा है। नतीजों को अंतिम रूप देने में दस जूरी सदस्यों की मदद के लिए डॉ. सर्वेश कुमार, डॉ.रुचिका सिंह, डॉ. दुर्गावती भी डॉ दीपक प्रसाद मौजूद थे । प्रोफेसर रामवंत गुप्ता, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. मीतू सिंह, डॉ. प्रशांत शाही, डॉ. गिरिजेश कुमार यादव, डॉ. प्रियंका गौतम, डॉ. गरिमा शाही, डॉ. राजवीर सिंह चौहान, डॉ. राम कीर्ति सिंह और डॉ. रश्मी ने निर्णायक सदस्यों के रूप में कार्य किया है।